नाओं को पूरा करने के लिए कोई कार्यक्रम बनाया गया है;

(ख) यदि हां, तो उन पर कितनी राशि व्यय होगी; और

(ग) इन परियोजनाओं पर कार्य कब तक पूरा हो जायेगा ?

औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरूद्दीन अली अहमद): (क) और (ख). केन्द्रीय औद्योगिक परियोजनाएं जो तीसरी पंचवर्षीय योजना की अवधि में पूरी नहीं हो सकी थीं, उनके चौथी योजना काल में पूरा करने का कार्यक्रम और इन परियोजनाओं पर खर्च होने वाली राशि का निर्देश योजना आयोग द्वारा तैयार की गई चौथी पंचवर्षीय योजना (1969-74) का मसौदा पुस्तक में किया गया है, जो संसद के समक्ष भी प्रस्तुत की जा चुकी है।

(ग) अभी यह बता सकना कि ये परियोजनाएं चौथी पंचवर्षीय योजना की अवधि में कब तक पूरी हो जाएंगी, संभव नहीं है।

उच्च कार्बनीकृत इस्पात का उत्पादन

7976. **श्री महाराज सिंह भारती :** क्या इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में उच्च कार्बनीकृत इस्पात तैयार करने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है जिसका आयात कृषि उपकरणों में प्रयोग आने वाले लोहे के पहिये को बनाने के लिये किया जाता है; और

(ख) क्या देश में इसका उत्पादन चौथी पंचवर्षीय योजना में बढ़ती हुई इसकी अत्याधिक मांग को पूरा कर सकेगा।

इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कृष्ण चन्द्र पन्त): (क) ब्लूम, बिलेट, बार और आयरन राड के रूप में उच्च कार्बनीकृत इस्पात का उत्पादन दुर्गापुर और भिलाई इस्पात कारखानों में होता है। कृषि पहियों के लिए उच्च कार्बनीकृत इस्पात की चादरों की आवश्यकता होती है। ऐसी चादरों का उत्पादन केवल दुर्गापुर का मिश्र-इस्पात कारखाना करता है।

(ख) अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 1969-70 में कृषि-पहियों के उत्पादन के लिए 4000 टन उच्च कार्बनीकृत इस्पात की चादरों की आवश्यकता होगी। इस वर्ष दुर्गापुर मिश्र-इस्पात कारखाने का ऐसी चादरों का उत्पादन 500 टन से 1000 टन के बीच होगा।

रेलवे स्टेशनों पर बिजली की व्यवस्था

7977. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में ऐसे कितने रेलवे स्टेशन हैं जहां बिजली की व्यवस्था नहीं है; और

(ख) इस कमी को पूरा करने के लिये सरकार को कितना समय लगेगा तथा सरकार अनुमानतः कब तक सभी रेलवे स्टेशनों पर बिजली की व्यवस्था कर सकेगी ?

रेलवे मंत्री (डा० राम सुभग सिंह): (क) 3,792 स्टेशन।

(ख) अभी यह बताना संभव नहीं है कि देश के सभी स्टेशनों पर बिजली कब तक लग जायेगी क्योंकि स्टेशनों का विद्युतीकरण अनेक तत्वों पर निर्भर है, जैसे, आस-पास में निमन वोल्टता की बिजली सप्लाई की उपलब्धता, सर्विस कनेक्शन प्रभार और शुल्क दर का उचित होना, धन की उपलब्धता (चूंकि यह एक निम्न प्राथमिकता की सुख-सुविधा है), रात में रुकने वाली गाड़ियों की संख्या आदि।

मध्य प्रदेश में स्टेशनों पर बिजली की व्यवस्था

7978. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में ऐसे कितने रेलवे

स्टेशन हैं जहां बिजली की व्यवस्था नहीं की गई है; और

(ख) इस काम को पूरा करने के लिये सरकार को कितना समय लगेगा तथा वर्ष 1968-69 में इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा कितना धन व्यय किया गया है ?

रेलवे मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) 343 स्टेशन ।

(ख) अभी यह बताना संभव नहीं है कि मध्य प्रदेश के सभी स्टेशनों पर बिजली कब तक लग जायेगी क्योंकि स्टेशनों का विद्युतीकरण अनेक तत्वों पर निर्भर है, जैसे, आसपास में निम्न वोल्टता की बिजली सप्लाई की उपलब्धता, सर्विस कनेक्शन प्रभार और शुल्क दर का उचित होना, धन की उपलब्धता (चूंकि यह एक निम्न प्राथमिकता की सुख-सुविधा है), रात में रुकने वाली गाड़ियों की संख्या आदि । 1968-69 के वित्तीय वर्ष में मध्य प्रदेश के स्टेशनों पर बिजली लगाने में लगभग 2,08,000 रुपये खर्च होने की संभावना है ।

कोटा सर्किल (पश्चिम रेलवे) में टिकट निरीक्षक कर्मचारी

7979. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पश्चिम रेलवे के कोटा सर्किल में टिकट निरीक्षक कर्मचारियों में अनुसूचित जातियों के लिये आरक्षित पद अभी खाली पड़े हैं; और

(ख) यदि हां, तो इन पदों को भरने के लिये क्या व्यवस्था की जा रही है ?

रेलवे मंत्री (डा० राम सुभग सिंह): (क) 250-380 रुपये के अधिकृत वेतनमान में एक पद ।

(ख) इस पद को भरने के लिए चुनाव किया जा रहा है ।

रेलवे के संगचल कर्मचारी

7980. **श्री हुक्म चन्द कछवाय :**
श्री नीतिराज सिंह चौधरी ।
श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे में गार्डों, ड्राइवरों, फायरमैनों तथा ब्रेकमैनों को संगचल कर्मचारी माना जाता है,

(ख) क्या यह भी सच है कि संगचल टिकट निरीक्षकों को संगचल कर्मचारी माना जाता है हालांकि वे सभी आयोजनों तथा उद्देश्यों के लिये संगचल कर्मचारियों में आते हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि उन्हें वे सुविधायें नहीं दी जाती हैं जो संगचल कर्मचारियों को मिलती हैं; और

(घ) क्या भविष्य में संगचल टिकट निरीक्षकों को संगचल कर्मचारी मानने का सरकार का विचार है ?

रेलवे मंत्री (डा० राम सुभग सिंह): (क) जी हां ।

(ख) से (घ). केवल उन्हीं कोटियों के रेल कर्मचारियों को रनिंग कर्मचारी माना जाता है जो प्रत्यक्षतः गाड़ियों के संचलन के काम पर लगे हैं और जिन पर इसका उत्तरदायित्व है । इन कर्मचारियों को यात्रा भत्ते और गाड़ियों के संरक्षित, समय पर और त्वरित संचलन, जिस पर कि परिचालन कुशलता निर्भर करती है, के लिए प्रोत्साहन भुगतान के रूप में रनिंग भत्ता दिया जाता है । अन्य अनेक कोटियों के रेल कर्मचारियों की तरह चल टिकट परीक्षकों को चलती गाड़ियों में काम करना होता है लेकिन वे किसी